कृषि कुंभ
हिंदी मासिक पत्रिका

खण्ड 03 भाग 11, (अप्रैल, 2024)
पृष्ठ संख्या 18–19

मैंगो लीफ हॉपर (*इडियोसेरस एटकिंसोनी लेथिएरी*): आम के पेड़ों पर इसका प्रभाव और प्रबंधन

नगमा बी[1], रिंकू भास्कर[2], मोहम्मद आसिम खान[3] एवं रूबी आशरा[4],
[2]पीएचडी शोध छात्र, पादपरोग विज्ञान विभाग,
सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ (उत्तर प्रदेश)।
[1]प्रवक्ता, जंतु विज्ञान विभाग, [3]प्रवक्ता, कृषि विज्ञान विभाग, [4]प्रवक्ता, गृह विज्ञान विभाग,
इम्पैक्ट कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, रामपुर उत्तर प्रदेश, भारत।

Email Id: nagmabi778866@gmail.com

प्रस्तावना:

आम फलों का राजा है यह तो सभी जानते हैं। यही वजह है कि आम उष्ण और उपोष्ण कटिबंधीय देश का एक प्रमुख फल है। विश्व में इस फल का सबसे अधिक उत्पादन भारत में होता है। भारत आम का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, लेकिन फिर भी उत्पादन क्षमता के हिसाब से विश्व में इसका स्थान पीछे है क्योंकि आम के विभिन्न कीटों और रोगों के कारण भी उत्पादन को भारी नुकसान पहुंचता है। इस पर लगनेवाले कीटों और रोगों के कारण आम के फलों के निर्यात में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आम के पेड़ों पर "इडिओसेरस एटकिंसनी लेथियरी" (डंदहव स्मंि भ्वचचमत) नामक एक प्रमुख कीट पाई जाती है जो इनसे पोषक तत्वों को चूसकर नुकसान पहुंचाती है। यह छोटी सी मक्खी आम के पत्तों के रस का सेवन करती है, जिससे पौधे को क्षति पहुंचती है। यदि इसकी जनसंख्या नियंत्रित नहीं की जाती है, तो यह आम की फसलों पर बड़ी हानि पहुंचा सकती है।

वितरण:

मैंगो लीफ हॉपर का विस्तार भारत में है। यह भारत के अधिकांश भागों में पाई जाती है – जैसे कि उत्तर भारत, पश्चिमी घाट, दक्षिणी घाट, और मध्य भारत। यह पेड़ों पर अधिकांश रूप से मिलती है, और इसका प्रमुख आकर्षण आम के पत्तों की ऊपरी सतह पर होता है। इसलिए, अगर आपके आम के पेड़ पर इसकी संक्रमण की संभावना है, तो इसे नियंत्रित करने के लिए एक सही कदम उठाने की आवश्यकता होती है।

कीट की पहचान

यह कीट लगभग 5–6 मिलीमीटर लंबा होता है और पीले रंग का होता है। इसके पूरे शरीर पर छोटे–छोटे दानेदार धारणे होते हैं। इसके पैर और पंखों में भी ये धारणे होते हैं। इसके पंखों पर विभिन्न रंगों की धारियां होती हैं, जैसे हरे, पीले और लाल रंग। इसकी आंतरिक पोषण तंत्र उद्गम स्थल के निकट रहता है, जो इसे आम के पत्तों के रस का उपभोग करने के लिए सक्षम बनाता है। यहाँ तक कि इसके अंडे भी आम के पत्तों पर दिखाई देते हैं, जिन्हें यह रखती है।

जीवन चक्र:

फरवरी के दूसरे सप्ताह में, मैंगो लीफ हॉपर (इडियोसेरस एटकिंसोनी लेथिएरी) आम के पेड़ों पर अकेले मटमैले सफेद गोल अंडे देते हैं। इन अंडों का उत्पादन कुछ हफ्तों तक जारी रहता है। अकेली मादा 200 अंडे तक दे सकती है। 4–6 दिनों के बाद, अंडों से छोटे पीले हरे रंग के निम्फ निकलते हैं, जो फूलों और कलियों की

कोशिकाओं को सेचते हैं। निम्फ वयस्क जैसे दिखते हैं लेकिन पंखहीन होते हैं और पैर लंबे होते हैं, इसलिए वे उड़ सकते हैं। 8–13 दिनों में, ये निम्फ पूर्ण विकसित हो जाते हैं। इसके बाद, वे वयस्क होते हैं और मार्च–अप्रैल में जन्म होते हैं। पूरा जीवन चक्र 15–19 दिनों में पूरा हो जाता है। जब मई–जून में कोई भोजन नहीं होता है, तो भी इनकी भीड़ होती है। जब किसी आवाज को सुनते हैं, तो वे उड़ जाते हैं। एक पीढ़ी ज्यादातर मार्च और अप्रैल में होती है, लेकिन कभी–कभी दूसरी पीढ़ी भी शुरू हो जाती है।

मैंगो लीफ हॉपर से होने वाले नुकसानः

शिशु और वयस्क दोनों ही विनाशकारी अवस्थाएँ हैं जो नई टहनियों, फूलों और कलियों या पूरे पुष्पक्रम की कोशिकाओं को चूस लेती हैं, जो सूख कर गिर जाती हैं। वेश हदनुमापदार्थ का स्राव करते हैं जो पेड़ की शाखाओं को ढक लेते हैं जिससे कवक के विकास के लिए अच्छी सतह मिलती है। इस प्रकार, छोटे आम के पेड़ों की वृद्धि में बाधा आती है और पुराने पेड़ों पर अधिक फलन नहीं होती है। आम की फसल को लगभग 60 प्रतिशत नुकसान मैंगो हॉपर से होता है। मैंगो लीफ हॉपर एक पेड़ पर खाद्य परजीवी की तरह बर्ताव करता है और पत्तियों को नुकसान पहुंचाता है। इसके प्रमुख प्रतिरोधक जीवों में पेड़ के आंतरिक प्रदूषकों, पक्षियों और प्राकृतिक दुश्मनों के साथ–साथ प्राकृतिक बाढ़ावा भी शामिल होता है।

रोकथाम और नियंत्रणः

- पेड़ों की भीड़ से बचने के लिए प्रयास करें, ताकि कीटों को फैलने में मदद मिले।
- पेड़ों पर फॉस्फोमिडोन, कार्बेरिल, और डाइमेथोएट का इस्तेमाल करके कीटों की संख्या को कम किया जा सकता है।
- सर्दियों में, फूल खिलने से पहले पेड़ों पर मछली के तेल, रेजिन वॉश, या मिट्टी के तेल का छिड़काव करें।
- शरीरी विनाशकों जैसे नीम तेल और नीम के केक का उपयोग करें।
- जमीन पर गिरी हुई पत्तियों को हटा दें ताकि वहाँ कीटों के निर्वाहक स्त्रोत न हों।
- जैविक खेती अपनाएं और प्राकृतिक प्रतिरोधकों का उपयोग करें।
- प्राकृतिक शत्रुओं को आकर्षित करने के लिए फूलों और पौधों को बगीचे में रखें।
- कीटनाशक का उपयोग करते समय सुरक्षित कपड़े पहनें और निर्देशों का पालन करें।
- उपयुक्त कीटनाशक का चयन करने से पहले स्थानीय कृषि अधिकारी से सलाह लें।
- बागों को साफ करें और उचित छिड़काव करें।
- दो बार कीटनाशक छिड़काव करें, पहले छिड़काव के दो सप्ताह बाद और फिर उसके 15 दिन बाद।
- वेटेबल सल्फर का उपयोग करें कि गुन के दोबारा फैलने से बचा जा सके।
- सल्फर के साथ टोक्साफीन का मिश्रण कीटों के खिलाफ प्रभावी हो सकता है।
- नीम तेल या नीम बीज गिरी पाउडर का छिड़काव करें।

निष्कर्ष

मैंगो लीफ हॉपर (इडियोसेरस एटकिंसोनी लेथिएरी) आम के पेड़ों की एक महत्वपूर्ण कीट है, जो पत्तियों का रसचूस कर नुकसान पहुंचाती है। इसके नियंत्रण के लिए प्राकृतिक और जैविक उपाय हो सकते हैं, जैसे कि प्राकृतिक कीट परजीवी का उपयोग और प्रतिरोधक जीवों को आकर्षित करना। जैविक खेती और समन्वित नियंत्रण भी मददगार हो सकते हैं, जैसे कि लेडीबग और मकड़ी को बढ़ावा देना। एकीकृत कीट प्रबंधन प्रथाएं भी इसके नियंत्रण में सहायक हो सकती हैं, जो आम के बागवानी में स्वस्थ पारिस्थितिकी बनाती हैं।